अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी

(दिनांक 16 – 17 मार्च 2018)

धर्मशास्त्र–मीमांसा विभाग,
संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

तथा

धर्म संस्कृति संगम,
काशी

द्वारा संयुक्त रूप से समायोजित

मुख्य विषय – वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सर्व धर्म समभाव

उपविषय – वैश्विक परिप्रेक्ष्य में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक समरसता
वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्त्रियों के अधिकार तथा कर्तव्य
मानव मूल्यों के संरक्षण में विविध धर्मों की उपादेयता
विश्व पटल पर आर्थिक एवं राजनैतिक समरसता

संक्रमण काल के इस वर्तमान युग मे जहां लोग कर्म विमुख हो रहे हैं, धर्म च्युत हो रहे हैं, ऐसी विषम परिस्थिति में सभी धर्मों की प्रासंगिकता अधिक बढ़ जाती है। कोई भी धर्म मानव को कर्मविमुखता का पाठ नहीं पढ़ाता है। मूल रूप से सभी धर्मों का उद्देश्य मानव को नैतिक शिक्षा देना है, किन्तु सम्प्रति मानव नैतिक दृष्टि से च्युत हो रहे हैं, जिससे समाज में अनेक प्रकार की विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं। इसलिये आवश्यकता इस बात की है कि सभी धर्मों के मूल उद्देश्य को जनमानस के सामने एकमंच पर रखा जाना चाहिये, साथ ही नैतिक मूल्यों का संरक्षण भी किया जाना चाहिये। इसी उद्देश्य से इस अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन प्रकल्पित है।

पंजीकरण प्रपत्र

नाम – ..... पुरुष / स्त्री – .....
पद – .....
विभाग – .....
संकाय – .....
विश्वविद्यालय / संस्थान – .....
पता – .....
फोन नं. – ..... ई मेल – .....

शोधच्छात्र / शोधच्छात्रा अपने शोध निर्देशक से अग्रसारित करवायें।

अग्रसारित करने वाले अधिकारी का हस्ताक्षर व मुहर

आवेदक का हस्ताक्षर

नोट – इस प्रपत्र की फोटो प्रति मान्य है। आयोजक द्वारा प्रतिभागियों के लिये यात्रा व्यय या निवास की सुविधा उपलब्ध नहीं है। छात्रों हेतु शुल्क 300 रू. तथा अध्यापकों हेतु 500 रू. है। इस प्रपत्र को शुल्क तथा शोध पत्र के साथ दिनांक 10 मार्च 2018 तक जमा कर सकते हैं।

डॉ. माधवी तिवारी
अध्यक्ष
धर्मसंस्कृति संगम, काशी
मो.नं. 9451278628

डॉ. शंकर कुमार मिश्र
संयोजक
अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी
मो.नं. 9935953851

डॉ. माधव जनार्दन रटाटे
अध्यक्ष
धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग
मो.नं. 9335641267

अन्य सम्पर्क सूत्र – 7459827619 (शिवेन्द्र मिश्र), 9454733785 (मालविका तिवारी)

कार्यक्रम स्थल – संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश